पाठ 19. खेल

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में अंतर-वैयक्तिक संबंध का कौशल विकसित करना है ताकि वे विभिन्न व्यक्तियों व प्राणियों से सकारात्मक तरीके से जुड़ने की समझ पैदा कर सकें। इस कहानी में जैनेंद्र कुमार जी ने दो बच्चों की मनोदशा का बड़ा ही मार्मिक तथा सजीव चित्रण किया है। बाल-सुलभ चंचलता व चपलता को इस कहानी में करीने से दर्शाया गया है।

पाठ का सार

गंगातट पर मनोहर पानी के साथ खेल रहा है तथा सुरबाला रेत का भाड़ बना रही है। भाड़ बनाते समय सुरबाला मन ही मन सोचती है कि मनोहर को उस कुटी में साझा नहीं करेगी क्योंकि वह बहुत शैतान है। किसी मँझे हुए कारीगर की तरह वह भाड़ तैयार करती है। मनोहर एक ही पल में भाड़ को चकनाचूर कर देता है। सुरबाला नाराज़ हो जाती है तथा मनोहर के मनाने पर भी नहीं मानती। सुरबाला मनोहर से वैसा ही भाड़ बनवाती है तथा फिर उसको उसी प्रकार तोड़ देती है जिस प्रकार मनोहर ने उसका भाड़ तोड़ा था। दोनों बच्चों की हँसी से सारा वातावरण खुशी से झूम उठता है।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  जैनेंद्र कुमार जी की कहानियों के विषय में संक्षेप में बताया जा सकता है। उनके उपन्यास 'त्यागपत्र' पर बनी फ़िल्म की चर्चा भी की जा सकती है। इसके बाद 'खेल' कहानी की कथावस्तु को सार रूप में बच्चों से साझा किया जाए। फिर पूरी कहानी को पढ़ा जाए। कहानी में आए नये शब्दों के अर्थ भी बताते जाएँ ताकि कहानी के अर्थ-प्रवाह में कहीं बाधा न आए। बाल-सुलभ निश्छलता, चंचलता और निष्कपटता की चर्चा विशेष रूप से करें।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 40** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - भाववाचक संज्ञा बनाना, समझाने के लिए पाठ में से ही शब्दों का चयन किया जा सकता है, जैसे– मित्र–मित्रता, खेल–खिलवाड़ इसके बाद भाववाचक संज्ञा संबंधी अभ्यास करवाएँ।
  - विशेषण के भेदों की चर्चा करें और उन भेदों की पहचान का तरीका भी बतलाएँ।
- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - साक्षात्कार के लिए प्रश्न बनाने में बच्चों के साथ सहयोग करें तथा उन प्रश्नों के उत्तरों पर अलग से चर्चा करें।
  - बच्चों को प्रेरित करें कि पत्र लेखन में वास्तविकता हो तो पत्र अधिक प्रभावशाली बन पड़ेगा।